- e-paper
- सांध्य संस्करण
- वर्ष 1, अंक 2, पृष्ठ 2
- रविवार, 30 अगस्त 2026

अमृत उजाला NEWS

अमृत उजाला

Digital News Paper

Scan to Read in Details

- amritujala.com
- उत्तर प्रदेश • देश • दुनिया • व्यापार • मनोरंजन
- लखनऊ

नेपाल में कुदरत का कहर जारी!

बाढ़ - भूस्खलन से अब तक 734 मौतें,

भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

नेपाल में भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी है। बाढ़ और मलबे की चपेट में आने से अब तक 734 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2,500 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान पांचवें दिन भी युद्धस्तर पर जारी है।

बताया जा रहा है कि नेपाल-चीन सीमा के पास ग्लेशियर से जुड़े एक बड़े हादसे के बाद पानी, बर्फ और मलबे का तेज बहाव निचले इलाकों में पहुंचा। इसके बाद कई गांवों, सड़कों, पुलों और बिजली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा। कई इलाकों में घर पूरी तरह मलबे में दब गए हैं।

नेपाल के आपदा प्राधिकरण के मुताबिक, प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अब तक हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। हालांकि खराब मौसम, मुश्किल पहाड़ी रास्तों और लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण राहत-बचाव टीमों के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है।

इस आपदा का असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में 275 से ज्यादा भारतीयों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं भारत सरकार की ओर से राहत सामग्री और बचाव सहायता भेजी जा रही है। भारतीय अधिकारियों की टीमें प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए काम कर रही हैं।

उधर, नेपाल और चीन की सीमा से लगे तिब्बती क्षेत्र में भी मौत और लापता लोगों का आंकड़ा बढ़ा है। दोनों देशों की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। प्रशासन ने लोगों से नदियों और बाढ़ प्रभावित इलाकों से दूर रहने और किसी भी तरह के खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की है। ■

योगी का सपा पर हमला: बोले- दंगे और कर्फ्यू उसकी पहचान, JPNIC पर कब्जे की कोशिश की

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में आयोजित जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सपा को दंगों और कर्फ्यू की राजनीति से जोड़ते हुए कहा कि "ये दंगों के बादशाह हैं और कर्फ्यू इनकी पहचान है।" मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा शासन में सरकारी जमीनों पर कब्जा और लूट-खसोट आम बात थी।योगी ने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (JPNIC) को लेकर भी सपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुई परियोजना पर 864 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यह अधूरी रही। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बाद में इस परियोजना पर सपा का कब्जा कराने की कोशिश की गई और इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई थी।मुख्यमंत्री ने JPNIC को "समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक" बताते हुए कहा कि सार्वजनिक धन का इस्तेमाल किसी राजनीतिक दल के हित में नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह पैसा सैफई सिंडिकेट का नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता का है।'माफिया को मिट्टी में मिलाने की नीति'योगी ने कहा कि उनकी सरकार की नीति माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर सार्वजनिक संपत्ति और सरकारी धन की लूट को स्वीकार नहीं करेगी।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को बेहतर किया है और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लखनऊ के विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। ■

केशव मौर्य ने माना

मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा है, बोले- मेरे चाहने से नहीं होगा फैसला

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पहली बार खुलकर स्वीकार किया है कि उनके मन में भी मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि केवल उनकी इच्छा से यह तय नहीं होगा कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि "मेरी भी महत्वाकांक्षा है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं, लेकिन यह मेरे चाहने से नहीं होगा। पार्टी का नेतृत्व और विधायक दल तय करता है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।"

'अगली बार सीएम के रूप में देख सकते हैं'

जब उनसे पूछा गया कि वह कब तक उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे और क्या मुख्यमंत्री बनने की इच्छा है, तो मौर्य ने कहा कि संभव है कि अगली बार उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखा जाए या किसी अन्य भूमिका में। उन्होंने कहा कि इसका फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा, केशव प्रसाद मौर्य खुद नहीं।

मौर्य ने कहा कि भाजपा में सामान्य से सामान्य कार्यकर्ता को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने का अवसर मिलता है। इसलिए मुख्यमंत्री पद का फैसला भी पार्टी की प्रक्रिया के तहत ही होगा।

2027 में प्रचंड बहुमत लाने का दावा

केशव मौर्य ने कहा कि फिलहाल पार्टी का सबसे बड़ा लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करना है। भाजपा 2017 और 2022 की तरह 2027 में भी प्रचंड बहुमत के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी।

उन्होंने बताया कि बहुमत मिलने के बाद विधायक दल मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला करता है। इसके लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक विधायकों से फीडबैक लेते हैं और उसके बाद नेतृत्व की घोषणा की जाती है।

योगी के नेतृत्व पर पार्टी पहले ही कर चुकी है स्थिति साफ

हालांकि मुख्यमंत्री पद को लेकर मौर्य ने अपनी महत्वाकांक्षा जाहिर की है, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहले ही कह चुके हैं कि 2027 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। ऐसे में केशव मौर्य के बयान ने उत्तर प्रदेश की सियासत में मुख्यमंत्री पद को लेकर नई चर्चा जरूर छेड़ दी है। ■

बसपा को झटका

डॉ. आरके मिश्रा और नीतू मिश्रा सपा में शामिल; 2027 पर निगाहें

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी बीच श्रावस्ती की राजनीति में उस वक्त हलचल बढ़ गई, जब पूर्व बसपा प्रत्याशी नीतू मिश्रा और डॉ. आरके मिश्रा ने बहुजन समाज पार्टी से नाता तोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। सपा में शामिल होने के बाद डॉ. आरके मिश्रा पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ मंच पर नजर आए। उनकी तस्वीरें और सपा में एंट्री को लेकर स्थानीय राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

2027 के टिकट को लेकर चर्चाएं तेज

डॉ. आरके मिश्रा की सपा में एंट्री को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है। पार्टी में पहले से टिकट की दावेदारी कर रहे नेताओं के बीच नए चेहरे की एंट्री के बाद राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी किसे उम्मीदवार बनाएगी, इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में डॉ. आरके मिश्रा को लेकर चल रही टिकट की चर्चाओं को फिलहाल राजनीतिक कयास के तौर पर ही देखा जा रहा है।

चुनावी तैयारियों में जुटे राजनीतिक दल

2027 के विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। संगठन को मजबूत करने, नए नेताओं को साथ जोड़ने और संभावित उम्मीदवारों को लेकर बैठकों का दौर चल रहा है। श्रावस्ती में डॉ. आरके मिश्रा और नीतू मिश्रा के सपा में शामिल होने के बाद स्थानीय राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा शुरू हो गई है। अब देखना होगा कि आने वाले समय में यह सियासी बदलाव चुनावी रणनीति पर कितना असर डालता है। ■

IIT-IIM की पढ़ाई, लंदन की नौकरी छोड़ बनीं IAS दिव्या मित्तल ने दिया इस्तीफा

13 साल की प्रशासनिक सेवा को कहा अलविदा, सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखकर दी जानकारी; फिलहाल राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने करीब 13 साल की प्रशासनिक सेवा के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 2013 बैच की अधिकारी दिव्या मित्तल ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने फैसले की जानकारी दी। हालांकि, उनके इस्तीफे की आधिकारिक वजह अभी सामने नहीं आई है और त्यागपत्र स्वीकार होने की प्रक्रिया भी स्पष्ट नहीं है।दिव्या मित्तल वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थीं। इससे पहले वह देवरिया, मिर्जापुर और बस्ती समेत कई जिलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। अपनी कार्यशैली और जनसरोकार से जुड़े फैसलों के कारण वह अक्सर चर्चा में रही हैं।IIT दिल्ली और IIM बेंगलुरु से पढ़ाईदिव्या मित्तल की शैक्षणिक पृष्ठभूमि बेहद शानदार रही है। उन्होंने IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से एमबीए किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने लंदन में नौकरी की। विदेश में बेहतर करियर के बावजूद वह भारत लौट आईं और सिविल सेवा की तैयारी शुरू की।उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की और 2013 बैच की आईएएस अधिकारी बनीं। इससे पहले उन्होंने 2012 में आईपीएस

परीक्षा भी पास की थी। प्रशासनिक सेवा में आने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में काम किया और अपनी अलग कार्यशैली के लिए पहचान बनाई।इस्तीफे के बाद लिखी भावुक पोस्टदिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी 13 साल की प्रशासनिक यात्रा को याद किया। उन्होंने लिखा कि उन्होंने अपनी इच्छा से इस यात्रा को विराम दिया है। उन्होंने बताया कि IIT दिल्ली और IIM बेंगलुरु से पढ़ाई और लंदन में नौकरी के बाद भी उन्हें अपने देश से दूर रहना अधूरा लगता था। इसी भावना के चलते वह भारत लौटीं और आईएएस बनने का फैसला किया।उन्होंने अपनी पोस्ट में प्रशासनिक सेवा के दौरान मिले अनुभवों और लोगों के विश्वास का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि पद भले ही छूट गया हो, लेकिन देश के लिए देखा गया सपना नहीं छूटा है। लोगों से मिला प्यार और भरोसा उनकी जिंदगी की बड़ी कमाई है।पति भी IAS अधिकारीदिव्या मित्तल के पति गगनदीप सिंह भी आईएएस अधिकारी हैं। दोनों ने विदेश में नौकरी करने के बाद भारत लौटकर सिविल सेवा का रास्ता चुना था। दिव्या मित्तल के अचानक इस्तीफे की खबर के बाद प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इस्तीफे के पीछे किसी विशेष कारण की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।देवरिया से हटने के बाद राजस्व विभाग में तैनातीदिव्या मित्तल को इसी साल मई में देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात किया गया था। इसके बाद उनके अचानक इस्तीफा देने से उनके फैसले को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, इन चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।दिव्या मित्तल ने अपनी पोस्ट के जरिए साफ संकेत दिया है कि प्रशासनिक पद छोड़ने के बावजूद देश और समाज के लिए काम करने का उनका सपना कायम है। अब उनके इस्तीफे की स्वीकृति और आगे की भूमिका पर सभी की नजर है। ■

यूपी-MP से बिहार तक भारी बारिश का दौर, चित्रकूट में बाढ़ जैसे हालात, दिल्ली-NCR में भी बरसेंगे बादल

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

देश के कई हिस्सों में मानसून एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान समेत 16 राज्यों में रविवार को बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में बने मौसम सिस्टम का असर मध्य भारत से लेकर उत्तर भारत तक दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में तेज बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं और निचले क्षेत्रों में पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

जयंत चौधरी बोले- जाति के नाम पर हिंसा भड़काने वालों से रहें सावधान

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (RLD) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कार्यकर्ताओं से जाति के नाम पर हिंसा और समाज में विभाजन पैदा करने वाली राजनीति से सावधान रहने की अपील की। लखनऊ में पार्टी के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों से दूर रहकर आपसी भाईचारे और विकास की राजनीति को आगे बढ़ाना जरूरी है।

जयंत चौधरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से छोटे-छोटे मनमुटाव और मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी में नए लोगों का खुले मन से स्वागत किया जाना चाहिए। नए साथियों के आने से संगठन का विस्तार होगा और पार्टी की विचारधारा को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि व्यक्तिगत मतभेदों को संगठन के हित से ऊपर न रखें। सभी को साथ लेकर चलने और समाज के हर वर्ग को जोड़ने की दिशा में काम करने की जरूरत है।

जयंत ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य समाज में तनाव पैदा करना नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ना और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया।

सुबह ढाबा खोलने पहुंचे मालिक के उड़े होश, तख्त पर पड़ा मिला मजदूर का शव

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक ढाबे के बाहर तख्त पर अधेड़ मजदूर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, करीब 50 वर्षीय प्रेम पिछले कुछ समय से ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में घूमता रहता था। वह कभी-कभी सरोजनीनगर के बदाली खेड़ा निवासी गोविंद सिंह के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित ढाबे पर रुककर काम भी कर लेता था। बताया गया कि बारावफात की छुट्टी के चलते पिछले दिनों ट्रांसपोर्ट नगर के अधिकांश ट्रांसपोर्ट प्रतिष्ठान बंद थे। इसी वजह से गोविंद सिंह ने भी अपना ढाबा बंद कर दिया था और घर पर थे।

शनिवार सुबह करीब 9 बजे गोविंद सिंह ढाबा खोलने पहुंचे। वहां बाहर रखे तख्त पर प्रेम अचेत अवस्था में पड़ा मिला। गोविंद ने उसे उठाने और जगाने का प्रयास किया, लेकिन शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रेम को लोकबंधु अस्पताल ले गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अमृत उजाला ई-पेपर
amritujala.com
का डिजिटल प्रकाशन है
प्रधान संपादक
डा. अखंड प्रताप सिंह
कार्यकारी संपादक
सुषमा पांडेय
संपर्क
editor@amritujala.com
अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क 328 एक्सपिरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ -226010

महाविलोपन: नेपाल ट्रेलर है, खतरा बहुत बड़ा

आचार्य संजय तिवारी

केदार घाटी में 2013 में जब लघु प्रलय उत्पन्न हुआ तो उसे केवल प्राकृतिक आपदा मान कर दुनिया आगे बढ़ गई। अब तिब्बत से लेकर नेपाल और उसके लपेटे में बिहार आया है तब भी इसको प्राकृतिक आपदा कहा जा रहा। यह नितांत झूठ है। यह मनुष्य की लोभी संस्कृति की ओर तेजी से बढ़ते कदमों का नतीजा है। इसको प्रकृति पर मत थोपिए। यह आपदा मनुष्य निर्मित है। हमने प्रकृति को प्रकृति रहने ही नहीं दिया है। बार बार हिमालय हमे चेतावनी दे रहा लेकिन हम सुधरने को तैयार नहीं। कथित विज्ञान, कथित तकनीक और कृत्रिम जीवन शैली की भोगी और विलासीय प्रवृत्ति अभी मनुष्य को और दंड देने वाली है। सुधर जाइए। विज्ञान और प्रकृति शास्त्री इसे छठा महाविलोपन (Sixth Mass Extinction) कह रहे हैं। इस को वैज्ञानिक भाषा में होलोसीन विलोपन (Holocene Extinction) या एंथ्रोपोसीन विलोपन (Anthropocene Extinction) भी कहा जाता है। पृथ्वी पर पौधों और जीवों की प्रजातियों के बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की एक चालू घटना है। पृथ्वी के इतिहास में पहले 5 बड़े महाविलोपन हो चुके हैं, जो ज्वालामुखी विस्फोट, हिमयुग और उल्कापिंडों के टकराने जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए थे। हालांकि, यह छठा महाविलोपन पिछले सभी विनाशों से पूरी तरह अलग है क्योंकि इसका मुख्य कारण कोई प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियां हैं।छठा महाविलोपन क्यों हो रहा है? इसके मुख्य कारण अंधाधुंध रासायनिक कृषि और शहरीकरण हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन के लिए 40% भूमि का उपयोग हो रहा है, जो 90% वनों की कटाई का कारण है। इसके चलते जीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग बहुत बड़ा खतरा है। जीवाश्म ईंधनों (कोयला, तेल) के जलने से वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है। इससे मौसम चरम पर है। प्रकृति का अत्यधिक दोहन हो रहा है। इंसानों द्वारा जंगली जीवों का अत्यधिक शिकार, अवैध व्यापार और ओवरफिशिंग (अत्यधिक मछली पकड़ना)। प्रदूषण चरम पर है। प्लास्टिक, कीटनाशकों और रासायनिक कचरे से महासागरों और भूमि का जहरीला होना खतरनाक है । आक्रामक प्रजातियाँ बढ़ रही हैं। इंसानी गतिविधियों के कारण बाहरी प्रजातियों का नए पारिस्थितिक तंत्र में प्रवेश, जो स्थानीय जीवों को नष्ट कर रही हैं। स्थिति कितनी गंभीर है? वैज्ञानिक अध्ययनों और वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (WWF) के अनुसार, वर्तमान में प्रजातियों के विलुप्त होने की दर प्राकृतिक दर (Background Extinction Rate) से 100 से 1,000 गुना अधिक तेज है। स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों और विशेष रूप से उभयचरों (Amphibians) की आबादी दुनिया भर में बहुत तेजी से घट रही है।पृथ्वी के इतिहास में पहले हुए 'क्रेटेशियस महाविलोपन' (जिसमें डायनासोर खत्म हुए थे) की तुलना में आज रीढ़धारी जीवों (Vertebrates) के विलुप्त होने की गति 24 से 85 गुना तेज है। ■

पृथ्वी के पिछले 5 बड़े महाविलोपन:

1. ऑर्डोविशियन-सिल्यूरियन, 44.3 करोड़ वर्ष पहलेहिमयुग और समुद्र के स्तर में भारी गिरावटलगभग 85% समुद्री प्रजातियाँ खत्म।
2. लेट डेवोनियन, 37.4 करोड़ वर्ष पहलेजलवायु परिवर्तन और महासागरों में ऑक्सीजन की कमीलगभग 75% प्रजातियाँ विलुप्त।
3. परमियन-ट्राइसिक (The Great Dying)25.2 करोड़ वर्ष पहलेबड़े ज्वालामुखी विस्फोट और अत्यधिक ग्लोबल वार्मिंगपृथ्वी के इतिहास का सबसे बड़ा विनाश, 95% से अधिक प्रजातियाँ समाप्त।
4. ट्राइसिक-जुरासिक20.1 करोड़ वर्ष पहलेज्वालामुखी गतिविधि और महासागरीय अम्लीकरणलगभग 80% प्रजातियाँ खत्म, जिसके बाद डायनासोरों का प्रभुत्व बढ़ा।
5. क्रेटेशियस-पैलियोजीन, 6.6 करोड़ वर्ष पहलेविशाल उल्कापिंड (Asteroid) का पृथ्वी से टकरानाडायनासोरों सहित 76% प्रजातियाँ पूरी तरह नष्ट।

आगे का रास्ता बहुत कठिन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस महाविलोपन को अभी भी रोका जा सकता है। इसके लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, कार्बन उत्सर्जन को कम करना, जैव-विविधता वाले क्षेत्रों (जैसे जंगलों और महासागरों) का संरक्षण करना और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है।

लखनऊ को 101 करोड़ की सौगात: राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने 14 परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

कई प्रमुख बाजारों को मिला नई पहचान, ऊदा देवी, अहिल्याबाई होलकर और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर हुआ नामकरण

■ अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास को रविवार को बड़ी गति मिली। लखनऊ छावनी स्थित दिलकुशा लॉन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 101 करोड़ रुपये की लागत वाली 14 विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से छावनी क्षेत्र में जलापूर्ति, शिक्षा, खेलकूद, बाढ़ नियंत्रण और अन्य नागरिक सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान शहर के कई प्रमुख बाजारों और स्थानों के नए नामकरण की भी घोषणा की गई। इनमें वीरांगना ऊदा देवी, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जैसी महान विभूतियों के नाम शामिल हैं।

नामकरण सिर्फ औपचारिकता नहीं : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बाजारों और सार्वजनिक स्थानों का नाम महान हस्तियों के नाम पर रखना महज औपचारिकता नहीं है। इसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए योगदान देने वाले महापुरुषों और वीरांगनाओं के बारे में याद दिलाना है।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में बीते वर्षों में विकास की रफ्तार तेज हुई है। जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार, शिक्षा और खेल सुविधाओं के विस्तार तथा बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

योगी सरकार के काम की सराहना

राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज मजबूत हुआ है और इसका असर विकास तथा निवेश के माहौल पर भी दिखाई दे रहा है।

रक्षामंत्री ने लखनऊ में हो रहे विकास कार्यों का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे बदलावों से देश की छवि और वैश्विक स्तर पर भारत के प्रभाव को भी मजबूती मिल रही है।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

दिलकुशा लॉन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण भी मौजूद रहे। इसके अलावा भारतीय रक्षा संपदा सेवा की महानिदेशक शोभा गुप्ता, मध्य कमान के जीओसी-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और रक्षा संपदा मध्य कमान की प्रधान निदेशक भावना सिंह समेत रक्षा मंत्रालय और सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ■

मनोरंजन

2 करोड़ में बनी फिल्म ने कमाए 27 करोड़

हनुमान अंश नामक फिल्म 7 अगस्त 2026 को रिलीज हुई थी, जो शुरू में फ्लॉप लग रही थी और पहले दो हफ्तों में केवल 1.48 करोड़ रुपये कमाई कर पाई, लेकिन तीसरे हफ्ते से फिल्म ने जोरदार वापसी की और कुल 27 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर डाली

परिणीति चोपड़ा के बेटे नीर को बहन मालती से मिली पहली राखी

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के बेटे नीर चड्ढा ने रक्षाबंधन मनाया है। रविवार को अभिनेत्री ने अपने बेटे के पहले रक्षाबंधन की एक प्यारी सी झलक शेयर की। इस मौके पर नन्हे नीर को उसकी बड़ी कजिन और प्रियंका चोपड़ा की बेटी मालती मैरी से अपनी पहली राखी मिली है। परिणीति ने नीर की छोटी सी कलाई पर बंधी राखी की एक तस्वीर पोस्ट की और अपनी 'मालती दीदी' के इस प्यार के लिए आभार जताया।

बाद में प्रियंका चोपड़ा ने इस पल को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रीपोस्ट किया और प्यार से जवाब दिया, 'दीदी तुम्हें बहुत प्यार करती हैं बेबी नीर।' प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस से 2018 में जोधपुर में शादी की थी। जनवरी 2022 में प्रियंका चोपड़ा सरोगेसी के जरिए मां बनीं थीं। अमेरिका में अपने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ रहने के बावजूद, प्रियंका हमेशा अपनी भारतीय परंपराओं का पालन करती रही हैं। प्रोफेशनल तौर पर, परिणीति नेटफ्लिक्स की एक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज के साथ एक्टिंग में वापसी करने वाली हैं। फिलहाल इसका नाम'शक: ट्रस्ट नो वन' रखा गया है। ■

खेल

महिला एशिया कप में आज टीम इंडिया का आगाज, थाईलैंड से होगी टक्कर

महिला T20 एशिया कप 2026 में आज भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत का मुकाबला थाईलैंड से होगा।मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत के इरादे से उतरेगी। भारत महिला एशिया कप के इतिहास की सबसे सफल टीमों में शामिल है और इस बार भी टीम की नजर खिताब पर है। हालांकि हाल के T20 मुकाबलों में टीम का प्रदर्शन उतना निरंतर नहीं रहा है, ऐसे में आज का मुकाबला खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का अच्छा मौका होगा।

भारत के लिए स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसे बल्लेबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं गेंदबाजी में भारतीय स्पिन और तेज गेंदबाजी आक्रमण थाईलैंड के बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेगा।

दूसरी ओर, थाईलैंड की टीम भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। उसने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में हॉन्ग कॉन्ग को 6 रन से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है। ऐसे में भारतीय टीम थाईलैंड को हल्के में लेने की गलती नहीं करना चाहेगी।

भारत और थाईलैंड के बाद टीम इंडिया का अगला मुकाबला 3 सितंबर को हॉन्ग कॉन्ग से होगा, जबकि 5 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच बड़ा मुकाबला खेला जाएगा। ■